

SONAM BALA
(DEPT. OF GEOGRAPHY)

A.N.D. COLLEGE, SHAHPUR PATORY, SAMASTIPUR
FOR - B.A. - II (HONS)

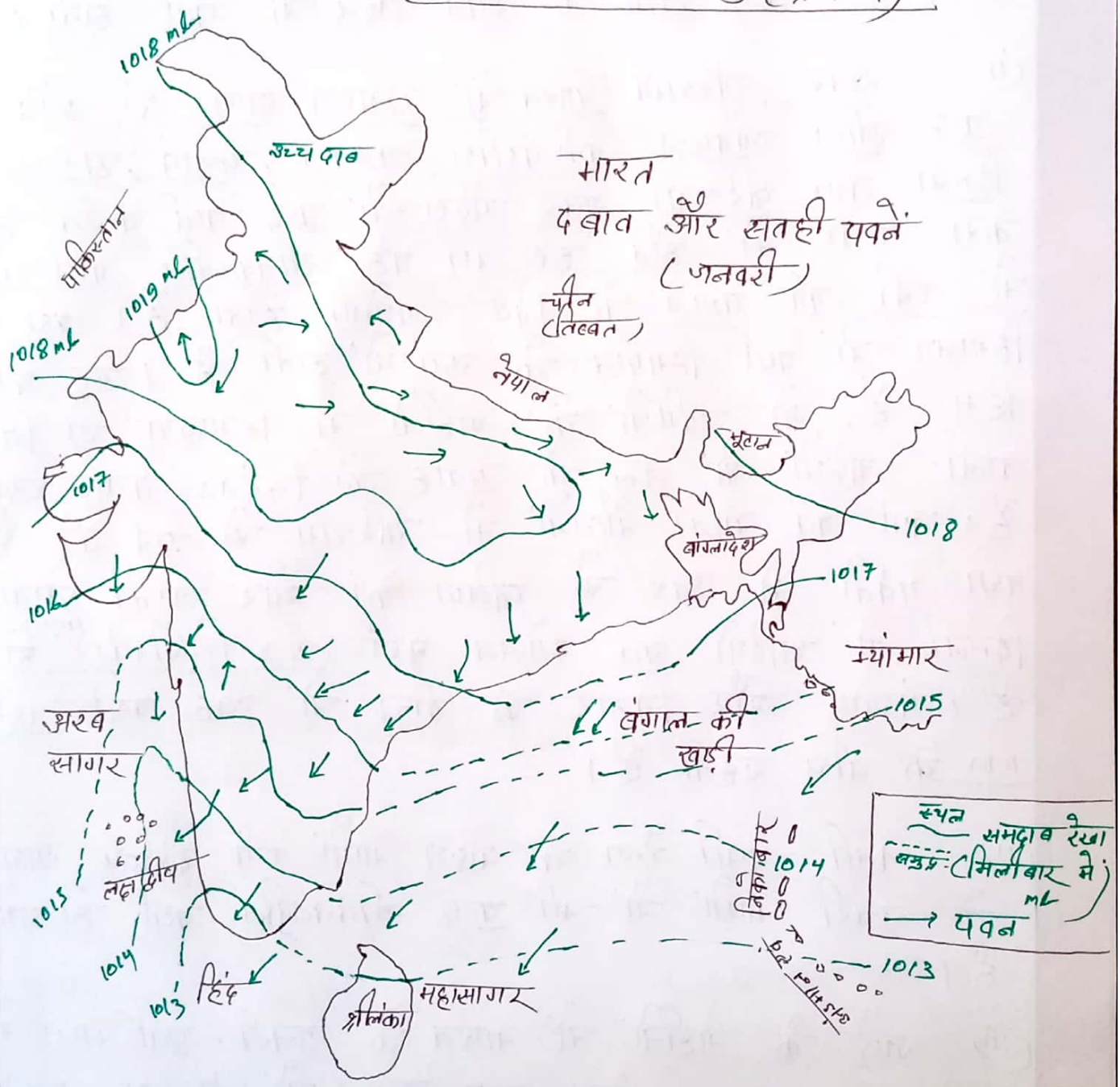
PAPER - III, भारत का भूगोल

①

LECTURE - 11

UNIT-1, भारत की जलवायु (क्रमशः...)

भारत में शीत ऋतु (क्रमशः)



भारत : वायुमार्ग एवं धरातलीय पवनें

[Note] :- हवाएँ उच्च दाब से निम्न दाब की ओर चलती हैं।

(संवर्धन हो... है।) पश्चिमी जेट - प्रवाह इन अवसरों को भारत की ओर उन्मुख करने में सहायता निभाते हैं।

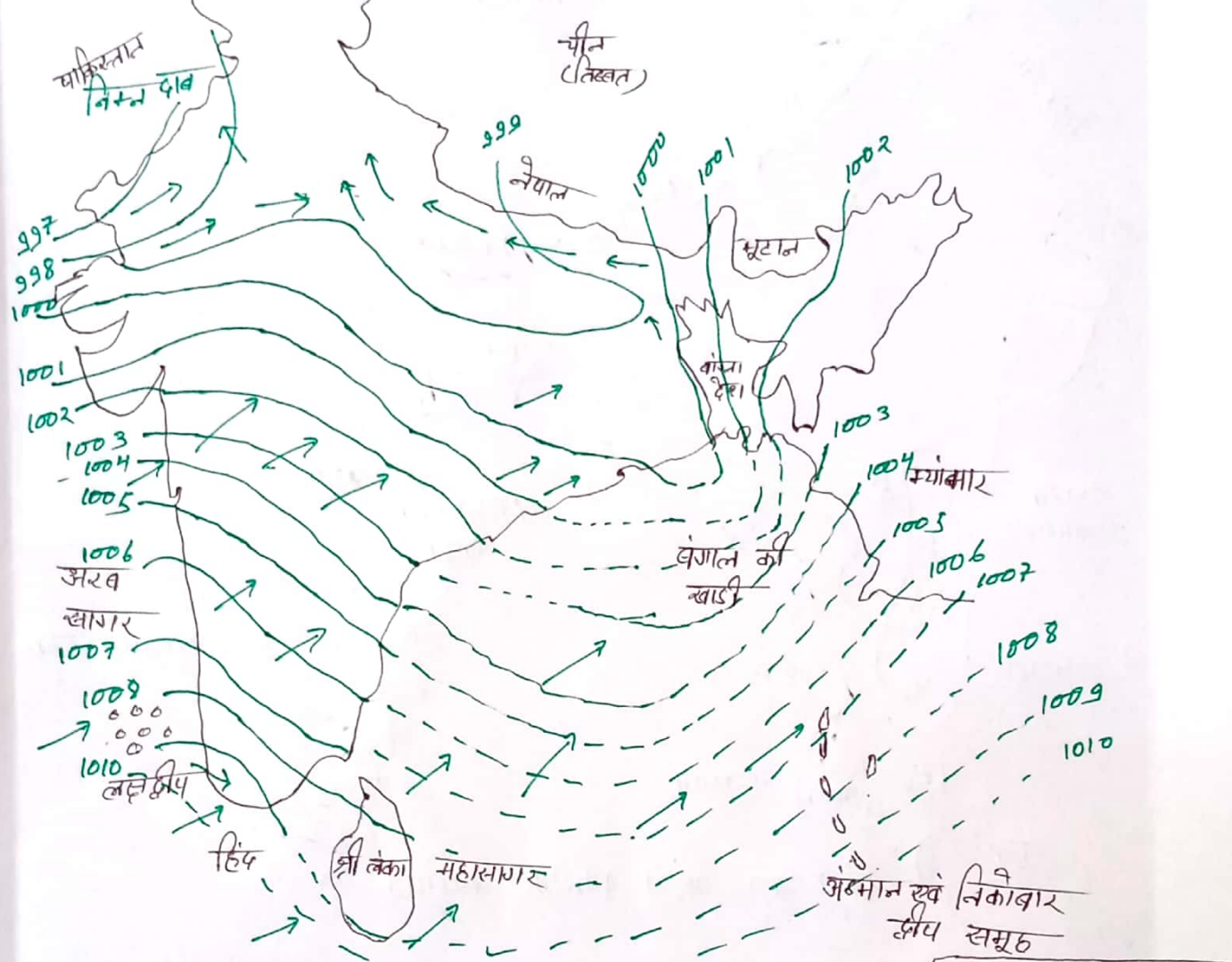
(iii) वर्षा → शीतकालीन मानसून पवनें स्थल से समुद्र की ओर चलने के कारण वर्षा नहीं करती, क्योंकि एक तो इनमें नमी केवल नाममात्र की होती है, दूसरे स्थल पर धर्षण के कारण इन पवनों का तापमान बढ़ जाता है, जिससे वर्षा होने की संभावना निरस्त हो जाती है। अतः शीत ऋतु में अधिकांश भारत में वर्षा नहीं होती। अपवादस्वरूप कुछ क्षेत्रों में शीत ऋतु में वर्षा होती है।

(i) उत्तर - पश्चिमी भारत में मध्य सागर से आने वाले कुछ क्षेत्रों शीतकालीन कटिबंधीय चक्रवात, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ वर्षा करते हैं। कम मात्रा में होते हुए भी यह शीतकालीन वर्षा भारत में रबी की फसल के लिए उपयोगी होती है। लघु हिमालय में वर्षा हिमपात के रूप में होती है। यह वही हिम है, जो गर्मियों के महीनों में हिमालय से निकलने वाली नदियों में जल के प्रवाह को निरंतर बनाए रखती है। वर्षा की मात्रा मैदानों में पश्चिम से पूर्व की ओर तथा पर्वतों में उत्तर से दक्षिण की ओर घटती जाती है। दिल्ली में सर्दियों की औसत वर्षा 53 मिलीमीटर (mm) होती है। पंजाब और बिहार के बीच में यह वर्षा 18-25 mm के बीच रहती है।

(ii) कर्नाट - कर्नाट देश के मध्य भागों एवं दक्षिणी प्रायद्वीप के उत्तरी भागों में भी कुछ शीतकालीन वर्षा हो जाती है।

(iii) जाड़े के महीनों में भारत के उत्तरी - पूर्वी भाग में स्थित अरुणाचल प्रदेश तथा असम में भी 25-50 mm तक वर्षा हो जाती है।

भारत
दाब एवं सतही पवने
(जुलाई)



भारत : दाब एवं धरातलीय पवने (जुलाई)

— समदाब रेखा (स्थल)
 - - - - - " (समुद्र)
 (मिलीबार, mb में)
 → पवने

(iv) उत्तर-पूर्वी मानसून पवने अक्टूबर - नवंबर के बीच बंगाल की खाड़ी को पार करते समय नमी ग्रहण कर लेती है और तमिलनाडु, दक्षिण आंध्र प्रदेश, दक्षिण-पूर्वी कर्नाटक तथा दक्षिण-पूर्वी केरल में मूसलाधारत वर्षा करती है।

